कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY–004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)
(एम. ए. जे. वाई.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2023
एम.जे.वाई.-004 : कुण्डली निर्माण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल* **दो** *खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* *3×20=60*

1. (क) इष्टकाल और चालन का सोदाहरण विस्तृत परिचय दीजिए।

   (ख) चरखण्ड के द्वारा लंकोदयमान से स्वोदयमान साधन कीजिए।

   (ग) लग्न से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण लग्न साधन कीजिए।

(घ) ग्रहों की मैत्री से आप क्या समझते हैं ? पञ्चधा मैत्री चक्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ङ) योगिनी दशान्तर्दशा और उनके फलां का विस्तृत वर्णन कीजिए।

(च) अष्टक वर्ग से आप क्या समझते हैं ? लग्नाष्टक वर्ग का उदाहरण देते हुए वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* *4×10=40*

2. (क) चन्द्र स्पष्टीकरण प्रक्रिया की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

(ख) वृद्धि नक्षत्र और क्षय नक्षत्र से आप क्या समझते हैं ? वृद्धि नक्षत्र की स्थिति में भयात, भभोग का स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा उल्लेख कीजिए।

(ग) सूर्याष्टक वर्ग और चन्द्राष्टक वर्ग का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

(घ) शुक्राष्टक वर्ग और शन्यष्टक वर्ग का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

(ङ) विंशोत्तरो दशा एवं दशा के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

(च) नवांश और द्रेष्काण से आप क्या समझते हैं ?

(छ) षड्वर्गों की क्या उपयोगिता है ? स्पष्ट कीजिए।

(ज) षड्बल की ज्योतिषशास्त्र में क्या भूमिका है ? स्पष्ट कीजिए।